

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे अप्रैल से शुरू करने की तैयारी

सफर में राहत

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर एक अप्रैल से आवागमन शुरू करने का दावा किया जा रहा है। लगभग 63 किमी लंबे इस हाईवे पर स्कूटर इंडिया के पास ही महज 120 मीटर का काम बचा हुआ था, जिसे पूरा कर लिया गया है। 20 मार्च तक फिनिशिंग कर ली जाएगी। उसके बाद एक्सप्रेस वे की सुरक्षा जांच (टेस्टिंग) की जाएगी।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस पर वाहनों की स्पीड लिमिट 120 किमी प्रति घंटा रहेगी। ऐसे में लखनऊ से कानपुर पहुंचने में महज 40 से 45 मिनट लगेंगे। चार हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से निर्मित इस एक्सप्रेस में कानपुर जिले में 45 किमी और लखनऊ जिले में 17.8 किमी का हिस्सा है। कानपुर में 45 किमी ग्रीन बेल्ट है, जबकि लखनऊ का हिस्सा एलिवेटेड और फ्लाईओवर वाला है। पूरे एक्सप्रेस वे वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 80 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की विशेषता है कि यदि वाहन किसी भी स्थान पर दो मिनट से

20 मार्च तक किए गए काम की हो जाएगी फिनिशिंग, 10 दिन में होगी एक्सप्रेसवे की टेस्टिंग



रेस्ट रूम, फूड कोर्ट और ड्रामा सेंटर की सुविधा भी

एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ एक-एक स्थानों पर रेस्ट एरिया बनाए जाएंगे। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इन वे-साइड अमेनिटी सेंटरों में आधुनिक टॉयलेट व रेस्ट रूम, रेस्त्रां फूड कोर्ट, पेट्रोल पंप, सीएनजी और ईवी चार्जिंग स्टेशन, वाहन रिपेयरिंग वर्कशॉप, बैंक एटीएम और छोटा होटल भी होगा। हेल्थ और इमरजेंसी सुविधा के तहत छोटा करीब 10 बेड का ट्रॉमा सेंटर, एंबुलेंस और मेडिकल टीम भी रहेगी।

अधिक रुकेगा तो फौरन कंट्रोल रूम को सूचना पहुंच जाएगी। कोई हादसा होने पर 10 मिनट में एंबुलेंस पहुंचेगी। हर दो किमी पर इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाने से एनएचआई कंट्रोल रूम और पुलिस को हादसे की जानकारी मिलेगी।